चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

मार्च 1-15 के लिए मक्का की खेती के सुझाव

1. मक्का की बिजाई के लिए रेतीली दोमट व अर्ध दोमट मिट्टी तथा अच्छे जल निकासी वाले खेतों का चयन करें।
2. खेत की चार से पांच जुताई कर दो बार सुहागा लगाएं ताकि मिटटी भुरभुरी हो जाए और खेत में ढ़ेले बिल्कुल न रहें।
3. अच्छी पैदावार लेने के लिए लम्बी व मध्यम अवधि वाली सिफारिश की गई संकर किस्मों का प्रयोग करें। साधारण मक्का व उच्च क्वालिटी मक्का के लिए 8 किलोग्राम, स्वीट कॉर्न के लिए 3-4 किलोग्राम व बेबी कॉर्न के लिए 12 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ प्रयोग करें।
4. दाने के लिए मक्का (साधारण मक्का, उच्च क्वालिटी मक्का व स्वीट कॉर्न) की बिजाई मार्च के प्रथम सप्ताह में ही पूरी कर लें। इसके बाद बिजाई करने से परागण की क्रिया नहीं हो पाती और पैदावार में काफी गिरावट आती है। इसके बाद केवल बेबी कॉर्न की काश्त की जा सकती है क्योंकि उसमें हमें दाने की आवश्यकता नहीं होती।
5. मेंढ़ से मेंढ़ की दूरी 60 सेंटीमीटर रखें तथा पौधे से पौधे की दूरी साधारण मक्का, उच्च क्वालिटी मक्का व स्वीट कॉर्न के लिए 20 सेंटीमीटर तथा बेबी कॉर्न के लिए 15 सेंटीमीटर रखें। पूर्व से पश्चिम में मेढ़ बनाकर मेढ़ की दक्षिण दिशा में 4-6 से. मी. गहरी बिजाई करें। बाद में आधा खूड की ऊंचाई तक पानी लगाने से जमाव अधिक व जल्दी होता है।
6. मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग करने से कम लागत में अधिक पैदावार ली जा सकती है।
7. अधिक पैदावार लेने के लिए खेत की तैयारी से पहले अच्छी गली सड़ी गोबर की खाद 60 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से डालें। सिफारिश की गयी पूरी फॉस्फोरस (24 किलोग्राम), पोटाश (24 किलोग्राम), जिंक सल्फेट (10 किलोग्राम) व एक तिहाई नाइट्रोजन (20 किलोग्राम) बिजाई के समय डालें।
8. आरम्भिक अवस्था में खरपतवार नियंत्रण के लिए 400-600 ग्राम एट्राजिन 200 लीटर पानी में घोल बना कर खरपतवार अंकुरण होने से पहले प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।
9. प्रारंभिक अवस्था में गोभ की मक्खी कीट से बचाव के लिए बिजाई से पहले 7 मिलीलीटर इमिडाक्लोप्रिड प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज को उपचारित करें। बिजाई में देरी करने से गोभ की मक्खी का आक्रमण बढ़ता है।

10. मक्का में फाल आर्मी वर्म प्रकोप का जल्दी से जल्दी पता लगाने के लिए खेत में फिरोमोन पिंजरा दर 5 प्रति एकड़ बिजाई के तुरन्त बाद लगाएं। पौधों के पर पत्तों पर बड़े, टेड़े-मेढ़े सुराख और गोभ में भी कीट का आक्रमण दिखाई दे तो क्लोरनटेरनीलीपरोल 18.5 एस.सी./ सपाईनोसेड 45 एस.सी. 60 मि.लि. प्रति एकड़ या ईमामैक्टिन बैनजोएट 5 एस.जी. 80 ग्राम प्रति एकड स्प्रे करें।

11. बिमारियों से बचाव के लिए बीज को 4 ग्राम थीरम प्रति किलोग्राम की दर से उपचारित करें।